# भर दो झोली साईं नाथ

साईं नाथ साईं नाथ साईं नाथ
साईं नाथ साईं नाथ साईं नाथ
मेरे झर झर आंसु बहते, तुझसे साईं यह कहते
बरसों बीते दुख सहते अब सुन लो मेरी सदा
भर दो झोली भर दो झोली भर दो झोली साईं नाथ

तुम ही जल में तू ही थल में, तेरा हर रूह में बसेरा..
लाख आंधी तूफ़ानों में, दीयों से करें सवेरा..
मैं भी फरियादी आया हूं दर्द ए गम का सताया
किस्मत ने बडा रुलाया अब सुन लो मेरी सदा
भर दो झोली...

कहे जो तू तो बंजर में, बहती गंगा की धारा..
लाख गहरा समंदर हो, डूबे ना मिले किनारा..
मुझ को अपनों ने छोडा गुरबत जिल्लत ने तोड़ा
अब तुझसे नाता जोड़ा अब सुन लो मेरी सदा
भर दो झोली...

हर जनम में संग तेरा, चाहू मैं साईं बाबा..
तू ही मथुरा तू ही काशी, तू ही है मेरा काबा..
लव राज तेरा दीवाना, चाहे रोके लाख जमाना
हर दर्द तुझे ही सुनाना अब सुन लो मेरी सदा
भर दो झोली...

Singer: Love Raj Atwal 9872162982

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1534/title/bhar-do-jholi-sai-nath

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |